University in News on 25 March 2021

NBT PAGE 4

कैलाश हॉस्टल में हुआ होली मिलन समारोह

एनबीटी, लखनऊः एलयू के कैलाश छात्रावास में बुधवार को होली मिलन समारोह हुआ। छात्राओं ने एक से वढ़कर एक प्रस्तुतियां दी। कुलपति की वेटी रितान्या श्री की 'दिल की पतंग उड़ उड़ जाए' गाने पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति को सभी ने सराहा। इस मौके पर डीएसडब्ल्यू प्रो.पूनम टंडन और चीफ प्रोवोस्ट प्रो. नलिनी पांडे समेत सभी छात्रावास के प्रोवोस्ट व असिस्टेंट प्रोवोस्ट उपस्थित रहीं। छात्रावास की प्रोवोस्ट प्रो. मनुका खन्ना, असिस्टेंट प्रोवोस्ट डॉ. रोली वर्मा और डॉ. गरिमा सिंह ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

दूसरे जिलों के कॉलेजों के नए छात्रों की परीक्षाएं लविवि कराएगा

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से जिन चार जिलों के महाविद्यालय जुड़े हैं उनके प्रतिनिधियों को कुलपति प्रो. आलोक राय ने साफ कहा है कि सत्र 2021-22 में प्रवेश लेने वाले सभी नए छात्रों की परीक्षा विवि प्रशासन कराएगा। बुधवार को लखीमपुर और सीतापुर के महाविद्यालयों के प्रबंधक, प्राचार्य व प्रतिनिधियों की बैठक में कुलपति ने बताया कि कैसे वे केंद्रीकृत प्रवेश प्रणाली के माध्यम से विवि से जुड़ सकते हैं। उन्होंने कहा कि प्रवेश प्रणाली में शामिल होना अनिवार्य नहीं है लेकिन होते हैं तो उन्हें एनसीटीई, बार काउंसिल ऑफ इंडिया, एआईसीटीई और आईसीएआर के मानदंडों का अनुपालन करना होगा।

आज से ऑनलाइन पढ़ाई

लखनऊ। लखनऊ विवि में 25 मार्च से ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाएगी। कुलसचिव डॉ. विनोद सिंह ने बताया कि शासन के आदेश पर 31 मार्च तक के लिए विवि कैंपस में शिक्षण कार्य नहीं कराया जाएगा। छात्रों की केवल ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाएगी। होली के अवकाश के दिनों को छोड़ बाकी कार्यदिवसों में ऑनलाइन पढ़ाई होगी।

HINDUSTAN PAGE 8

बिजनेस प्रतियोगिता में छात्रों ने दिया आइडिया

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में पहली बार कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के नेतृत्व में व्यापार प्रबंधन विभाग एवं भाऊराव देवरस शोध पीठ द्वारा लोगो को व्यापार की तरफ आकर्षित करने के सम्बन्ध में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 20 समूहों ने भाग लिया। जिसमे 7 समूहों को अगले दौर के लिए चुना गया।

इसमें बैंकर डीबी प्रसाद व्यवसायी सचिन साहनी, सीएआरपी तिवारी और बीबीएयू के प्रोफेसर कुशेंद्रा मिश्रा ने प्रतियोगिता का मूल्यांकन किया। सभी प्रतियोगियों ने बढ़चढ़ कर विभिन्न रचानात्मक औद्योगिक विचारों को राधकमल मुखर्जी हॉल में प्रस्तुत किया। यह प्रतियोगिता सभी विद्यार्थियों के लिए अत्यंत मनोबल बढ़ाने वाली रही।

AMRIT VICHAR PAGE 3

बीएड दाखिले के लिए आए रिकॉर्ड आवेदन

इस बार गत वर्ष की अपेक्षा सवा लाख से अधिक हुए पंजीकरण

अमृत विचार, लखनऊ

दिखी रुचि

- गत वर्ष करीब चार लाख 32 हजार आए थे आवेदन
- अब विलंब शुल्क के साथ 31मार्च तक भर सकते हैं फार्म

इस बार बीएड दाखिले के लिए रिकार्ड आवेदन आए है। लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा बीएड में आवेदन करने का बुधवार को अंतिम दिन था। इसके चलते प्रदेश भर से करीब साढ़े पांच लाख अभ्यर्थियों के आवेदन आए है। जो गत वर्ष की अपेक्षा करीब सवा लाख अधिक आए है। अब विलंब शुल्क के साथ 31 मार्च तक आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

बीएड पाठ्यक्रम को लेकर एक बार फिर अभ्यर्थियों के बीच रूचि देखने को मिल रही है। विश्वविद्यालय में इतनी बड़ी संख्या में आवेदन आने से विश्वविद्यालय प्रशासन काफी उत्साहित है। पिछले साल की बात की जाएं तो करीब चार लाख 32 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था। इससे पूर्व की बात की जाएं तो आवेदन की संख्या इससे कम ही थी।

छात्रों को फार्म भरने की सुविधा : इसकी जानकारी देते हुए बीएड प्रवेश समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेई ने बताया कि विश्वविद्यालय में अभ्यर्थियों को आवेदन फार्म भरने की सुविधा दी गई है। इससे काफी संख्या में छात्र लाभान्वित हो रहे है। विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर सेंटर में अभ्यर्थियों के लिए व्यवस्था की गई है। साथ ही प्रदेश प्रवेश समन्वयक होने के नाते और भी विश्वविद्यालयों को सलाह दी है कि वे भी अपने विश्वविद्यालय में अभ्यर्थियों के लिए इस तरह की व्यवस्था करें। उन्होंने बताया कि ग्रामीण आंचल के अभ्यर्थियों के पास नेट की बेहतर सुविधा और स्पीड न होने से उनके ट्रांजेक्शन फंस जाते है। साथ ही जब वे लोग साइबर कैफे से फार्म भरवाते है तो ऐसे में किसी की फोटो किसी और में, किसी की मार्कशीट के नंबर कहीं और फार्म में इत्यादि कर देते है। ऐसे में अभ्यर्थी फार्म भरने के बाद भी इन चीजों पर ध्यान नहीं देते और परीक्षा भी दे लेते है लेकिन जब काउंसिलिंग का समय आता है तो यह सब समस्याएं सामने आती है और उस समय बड़ी संख्या में यह दिक्कतें न आए, इसके लिए अभी से व्यवस्था कर दी गई है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

होली मिलन में झूमी कैलाश छात्रावास की अंतःवासियां

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के कैलाश छात्रावास की तरफ से होली मिलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कुलपति की पत्नी श्रीमती संगीता राय ने शिरकत किया, इसके अतिरिक्त चीफ प्रोवोस्ट नलिनी पांडे सहित सभी छात्रावास के प्रोवोस्ट व असिस्टेंट प्रोवोस्ट उपस्थित रहीं। कैलाश छात्रावास की प्रोवोस्ट मनुका खन्ना, असिस्टेंट प्रोवोस्ट गरिमा सिंह और रोली वर्मा ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। इस समारोह में छात्राओं ने एक से वढ़कर एक प्रस्तुतियां दी, जिन्हें देखने के लिए छात्राएं मौजूद रहीं। कार्यक्रम में गणेश वंदना कविता, गजल और होली गीत पर नृत्य शामिल हैं ।

कुलपति आलोक राय की पुत्री रितान्या श्री की 'दिल की पतंग उड़ उड़ जाए' गाने पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुति सभी के आकर्षण का केंद्र रही। इस समारोह की समाप्ति ठंडाई, गुझियाऔर छात्रावास के कर्मचारियों को होली गिफ्ट देकर हुई।

AMRIT VICHAR PAGE 3

उल्लास :अवकाश घोषित होते ही लखनऊ विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं ने जमकर खेली होली। फोटो : अमृत विचार

लखनऊ विवि समेत अन्य महाविद्यालयों में छात्र-छात्राओं ने खूब खेली होली

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय से लेकर सहयुक्त महाविद्यालयों के परिसर और बाहर सड़क पर छात्र-छात्राएं रंग से सराबोर दिखे। छात्र-छात्राओं को रंग खेलते हुए परिसर में कई बार रोकने का प्रयास किया गया लेकिन त्यौहार के मद्देनजर विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से सख्त रवैया नहीं अपनाया गया। यही हाल कालेजों का भी रहा। बता दें कि शासन की ओर से कोरोना संक्रमण से बढ़ते मरीजों को देखते हुए और होली का पर्व नजदीक होने के कारण विश्वविद्यालय और कालेजों में 25 मार्च से 31 मार्च तक छुट्टी की घोषणा की गई है। इसी कारण से बुधवार को राजधानी के विश्वविद्यालय व महाविद्यालय के परिसर से लेकर बाहर गेट तक और सड़क पर भी छात्र-छात्राओं ने जमकर रंग खेला। केकेसी, नेशनल पीजी कालेज व केकेवी में परिसर से लेकर सड़क तक छात्र-छात्राएं रंग खेलते हुए दिखें। साथ ही कालीचरण पीजी कालेज में रंगोत्सव : एक साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समागम का आयोजन किया गया।

TOI PAGE 2

LU brothers win 1st prize for online garage service idea

Times News Network

Lucknow: The idea of two BA students of Lucknow University of bringing garage services at doorstep through an android-based application 'Sonchidiya' bagged the first prize at the IDEATE competition organized by the business administration department on Wednesday.

As many as 21 teams from LU and its associated colleges participated in the competition and presented their business plans to win seed money for launching their startup.

The winner of best idea got Rs 60,000 while the winner of second best idea got Rs 40,000.

The four-judge panel, comprising banker D B Prasad, entrepreneur Sachin Sahani, chartered accountant R P Tiwari and academician Prof Kushendra Mishra, awarded marks to the participants on the basis of how their ideas can cater to demands.

The idea of online garage service through an app proposed by two BA students Soumya and Arunendra, who are brothers, was selected by the panel as the best of all the entries.

"Sonchidiya is an app and website-based platform that connects garages and customers directly. It's like other apps that provide food delivery services, salon services and others. This app provides garage services both for personal and commercial vehicles even at odd hours," said Soumya.

"A user in need has to open the app and click on the required services. We pick and drop mechanics and technicians at the door step of customers. A team of experts will handle the website and app and another will connect garages of the city," he added.

The second award was won by BBA student Shreet Rastogi for his idea of an organic cleanser that only helped in cleaning various things in an eco-friendly way.

TOI

21 teams from LU and associated colleges had participated in the competition organized by the business administration dept

JAGRAN CITY PAGE III

लविवि कराएगा सभी छात्रों की परीक्षाएं

जासं, लखनऊ: लविवि के मालवीय सभागार में बुधवार को हुई बैठक में लखीमपुर खीरी और सीतापुर के महाविद्यालयों के प्रबंधक एवं प्राचार्य शामिल हुए। बैठक की अध्यक्षता कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया कि सत्र 21-22 में सभी प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की परीक्षा का संचालन लविवि ही कराएगा। इन दोनों जिलों के महाविद्यालयों में जो विद्यार्थी पहले से पढ़ रहे हैं, उन पर वही नियम लागू होंगे जो उनके प्रवेश के समय तत्कालीन विश्वविद्यालय के रहे होंगे।